अमरत्व
शिक्षक सहायक पुस्तिका–5

पाठ 1. हम सब सुमन एक उपवन के

- **पाठ उद्देश्य**–हम सब भारत रूपी उपवन के भाँति-भाँति के फूल हैं। इसे समझाना और भाव जाग्रत कराना।
- **पाठ सार**–हम सब एक ही उपवन के पुरूष हैं। हमारी धरती एक ही है, जिसकी मिट्टी में हमने जन्म लिया है। हमें एक जैसी धूप मिली है और हमें एक ही जल से सींचा गया है। हम एक ही हवा के पालने में झूले हैं। हम सब एक ही उपवन के पुरुष हैं। हम भिन्न-भिन्न रंगो के हैं। हम अलग-अलग क्यारियों में पले हैं। परंतु हमसे ही इस उपवन की सारी सुंदरता है। हम सबकी देखभाल करने वाला एक ही माली है। हम सब एक ही आकाश के नीचे रहते हैं। हमारा सूरज भी एक ही है। उसकी किरणें कलियों को खिला देती हैं। हमारा चाँद भी एक ही है। उसकी चाँदनी में हम नहा जाते हैं। हमें समान स्वर मिला है। यह स्वर भौंरों के मधुर गुँजन के समान है। हम सबने काँटों के साथ रहकर हँसना और हँसाकर जीना सीखा है। हमने एक ही धागे में बँधकर गले का हार बनना सीखा है। हमारी सुगंध सबके लिए है। धनी और निर्धन हम उनके शृंगार हैं।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) पुष्पों से मिलकर उपवन की शोभा होती है।
   (ख) फूल हमें काँटों रूपी संकटों के मध्य हँस-हँसकर जीना सिखाते हैं।
   (ग) भौंरों का गुंजन बहुत मधुर लगता है।

(घ) कवि के अनुसार भगवान हमारे माली हैं।

2. किरणें उसकी कली
   जिसकी हम सबको
   भ्रमरों के मीठे

3. (ग) क्यारी-क्यारी फूल खिल गए।
   (घ) बालक झूले पर झूले झूलकर आंनद ले रहे हैं।

4. (ग) जल (घ) धरती
   (ङ) पवन (च) मिट्टी
   (छ) शोभा (ज) सुमन

5. (ग) ज् + अ + ल् + अ
   (घ) प् + अ + व् + अ + न् + अ
   (ङ) स् + ऊ + र् + अ + ज् + अ
   (च) च् + आ+ ँ +द्+ अ

6. (क) उपवन देश है और सुमन देश में रहने वाले हैं।
   (ख) कलियाँ सूरज की किरणों से खिलती हैं।
   (ग) चाँदनी फूलों को नहलाती है।

7. (क) हम अलग-अलग रंगों के हैं।
   (ख) हमारी क्यारियाँ अलग-अलग हैं।
   (ग) परंतु हम सबसे मिलकर ही
   (घ) इस उपवन की सारी शोभा है।

8. (ग) भूमि, पृथ्वी (घ) सूर्य, आदित्य
   (ङ) पानी, वारि (च) चंद्र, शशि
   (घ) हवा, अनिल (ज) कंटक, झूला

9. (क) छाँव (ख) काँटा

(ग) दिन (घ) दुर्गंध

(ङ) आकाश।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) संसार उपवन के समान है। उपवन में भाँति–भाँति के फूल होते हैं। संसार में भी भाँति–भाँति के लोग होते हैं। हम सबको जन्म देने वाले, पालन–पोषण करने वाले भगवान हैं। वही हमारे माली हैं।

(ख) संकट आने पर व्यक्ति निराश हो जाता है। संकटों का सामना हँसकर करना चाहिए। हँसकर जीने को ही वास्तविक जीना कहा जाता है।

पाठ 2. काल करे जो आज कर

- **पाठ उद्देश्य**–आज का कार्य आज ही कर लेना चाहिए। इस भाव को समझाना।
- **पाठ सार**–गरमी की छुट्टियों में सौरभ माँ के साथ मामा जी के गाँव गया। वह रेलगाड़ी से गया। स्टेशन से वह मामा जी के साथ कार में गया। उसने गाँव में रहकर आम खाए। नानी के ट्रैक्टर पर मस्ती की, तालाब में नहाया। गाँव दिल्ली के निकट था। मामा जी उसे दिल्ली घुमाने ले गए। उसने लालकिला, कुतुबमीनार देखे। इस मौज-मस्ती में वह गृह कार्य करना भूल गया। अध्यापक ने बार-बार स्मरण भी कराया था। छुट्टियाँ समाप्त होने से एक सप्ताह पहले उसने गृह कार्य करना शुरू किया। वह केवल हिंदी और गणित का कार्य ही कर पाया। शेष विषयों का काम रह गया। स्कूल खुल गया। सबने अपना गृह कार्य अध्यापिका को दिखा

दिया। सौरभ ने काम किया होता तो दिखाता। उसे बहुत डाँट पड़ी। उसे कक्षा से बाहर निकाल दिया। वह पछताया और निश्चय किया कि वह काम को कल पर नहीं छोड़ेगा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) सौरभ छुट्टियाँ बिताने गाँव जा रहा था।
   (ख) सौरभ गाँव में नानी के यहाँ जा रहा था।
   (ग) अध्यापकों ने समझाया था कि काम प्रतिदिन करना। आज का काम कल पर मत छोड़ना।
   (घ) गणित के अध्यापक ने प्रतिदिन पाँच प्रश्न करने के लिए कहा था।
2. (क) अध्यापकों ने विद्यार्थियों से कहा।
   (ख) सौरभ ने स्वयं से कहा।
3. (क) आम (ख) हिंदी, गणित।
   (ग) सूझ (घ) काँपने
   (ङ) आज्ञा
4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓
   (घ) ✗ (ङ) ✓
5. (क) अपना काम निश्चयपूर्वक करना चाहिए।
   (ख) सौरभ ने घूमने का निश्चय किया।
   (ग) अध्यापिका बहुत प्रसन्न थी।
   (घ) गाँव में हरियाली छाई थी।
   (ङ) कुतुबमीनार दिल्ली में है।
   (च) लालकिला दिल्ली की शान है।

6. (क) गृह कार्य न किए जाने के कारण सौरभ घबरा गया।

(ख) क्योंकि उसने गृह कार्य किया ही नहीं था।

(ग) जिन्होंने गृह कार्य किया था, अध्यापिका ने उनकी पीठ थपथपाई।

(घ) सौरभ ने निश्चय किया कि वह आज का काम आज ही करेगा।

7. (क) शारीरिक (ख) दैनिक

(ग) मासिक (घ) औद्योगिक

(ङ) वार्षिक (च) साप्ताहिक

(छ) ऐतिहासिक (ज) भौगोलिक।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) यदि हम आज का काम कल पर छोड़ेंगे तो कल काम और बढ़ जाएगा। कल भी काम मिलेगा। इस प्रकार काम मिलते रहने से काम का अंबार लग जाएगा। काम न करने के कारण हम पिछड़ जाएँगे और असफल हो जाएँगे।

(ख) यदि मैं सौरभ के स्थान पर होता तो गाँव में खूब मौज-मस्ती करता। गाँव का आनंद लेता। इसके साथ-साथ प्रतिदिन स्कूल से मिला काम करता।

पाठ 3. साइकिल

- **पाठ उद्देश्य**—साइकिल के अविष्कार की जानकारी और इसकी उपयोगिता समझाना।
- **पाठ सार**—यह पाठ आत्मकथा के रूप में लिखा गया है। साइकिल का पहला रूप सन् 1839 में स्काटलैंड के किर्कपैट्रिक मैकमिलन

ने तैयार किया था। साइकिल का प्रयोग सन् 1879 में सड़क पर हुआ। सन् 1885 में साइकिल को टायर-ट्यूब से चलाया गया। सन् 1890 तक यह पूरी तरह विकसित हो गया था। यह प्रदूषणरहित वाहन कम खर्च में उपलब्ध है। इसका प्रयोग भार कम करने, व्यायाम करने के लिए किया जाने लगा है। यह अनेक आकर्षक रूपों में मिलता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) साइकिल का पहला ढाँचा किर्कपैटिक मैकमिलन ने सन् 1839 में तैयार किया था।

   (ख) साइकिल में टायर-टयूब का प्रयोग करने से इसका भार कम हो गया।

   (ग) साइकिल का प्रयोग आम आदमी, मज़दूर, दुकानदार और विद्यार्थी करते हैं।

   (घ) साइकिल चलाने वाले को स्वावलंबी समझा जाता है।

   (ङ) साइकिल चलाने से भार कम हो जाता है। यह व्यायाम का उत्तम साधन है।

2. (क) साइकिल (ख) आरंभ

   (ग) 1885 (ख) लोकप्रियता

   (ङ) स्वास्थ्य

3. (क) मेरी कहानी छपी है।

   (ख) मृदुला ने अपना लेख सुधार लिया।

   (ग) प्रधानमंत्री की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।

   (घ) असहायों की सहायता करें।

   (ङ) चलो, बाज़ार चलें।

4. (क) हाँ (ख) ना
(ग) हाँ (घ) हाँ
(ङ) हाँ।

5. तकनीकी, व्यक्ति, ऊँचाई, लोकप्रियता, विकसित, परिवहन।

6. (क) बैटरी और गीयर।
(ख) इससे व्यायाम हो जाता है। इसका प्रयोग भार कम करने के लिए किया जाता हैं।
(ग) पहले पैर पीछे धकेलने पड़ते थे, पहले ऊँचाई कम थी।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मैं साइकिल चलाता हूँ। साइकिल चलाना मुझे अच्छा लगता है।
(ख) साइकिल सस्ता वाहन है इसलिए इसे निर्धन व्यक्ति भी प्रयोग में लाते हैं। इससे प्रदूषण नहीं होता। इसे चलाने वाला स्वस्थ रहता है।

पाठ 4. लिंकन का पत्र

- **पाठ उद्देश्य**–हार से निराश नहीं होना चाहिए और जीत से अत्यधिक प्रसन्न नहीं होना चाहिए, इसे समझाना।
- **पाठ सार**–यह पत्र लिंकन ने पुत्र को समझाने के लिए अध्यापक को लिखा है। इसमें लिंकन ने कहा है कि उसके बेटे को सीखना चाहिए कि संसार में सब लोग सच्चे और अच्छे नहीं होते बुरे व्यक्ति का मन अच्छा हो सकता है। हर शत्रु के भीतर मित्र हो सकता है। परिश्रम से धन कमाना चाहिए। ईर्ष्या से बचना चाहिए, शालीन रहना चाहिए। किसी को धमकाना नहीं चाहिए। पुस्तकें

पढ़नी चाहिए। प्रकृति के सौंदर्य को देखना चाहिए। नकल नहीं करनी चाहिए। सत्य पर अडिग रहना चाहिए। अच्छे लोगों के साथ विनम्र और बुरे लोगों के साथ कठोर होना चाहिए। उदासी को खुशी में बदलना चाहिए। आत्मविश्वास होना चाहिए।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) लिंकन ने यह पत्र अपने पुत्र के अध्यापक को लिखा है।

   (ख) इसका आशय है कि संसार में अच्छे लोग हैं तो बुरे भी हैं। यह नहीं सोचना चाहिए कि सब लोग अच्छे ही होते हैं।

   (ग) व्यक्ति विनम्र रहकर, सत्य मार्ग पर चलकर, दूसरों के काम आकर अच्छा बन सकता है।

   (घ) दयालु व्यक्ति दूसरों पर दया करते हैं। बुरे लोग दूसरों का अहित करते हैं।

2. (क) अच्छा (ख) दुश्मन

   (ग) जलन (घ) धमकाना, डराना

   (ङ) नकल, फ़ेल

3. प्रभुता, ममता, सज्जनता, मित्रता।

4. (क) आदमी–व्यक्ति (ख) दयालु–दया करने वाला

   (ग) जलन–ईर्ष्या (घ) ज़्यादा–अधिक

   (ङ) हुनर–कला।

5. (क) बुरा (ख) उदासी

   (ग) बड़ा (घ) झूठा

   (ङ) अविश्वास

6. (क) लिंकन शिक्षा के माध्यम से विनम्र, हँसमुख, प्रकृति प्रेमी और पुस्तक प्रेमी बनाना चाहते थे।

(ख) स्वार्थी व्यक्ति केवल अपना स्वार्थ ही देखता है परंतु वह इस अवगुण को त्यागकर अच्छा लीडर बन सकता है।

(ग) लिंकन ने अच्छे और बुरे दोनों तरह के व्यक्तियों के बारे में लिखा है।

7. (क) उस आदमी को बुलाओ।

(ख) मज़दूर की मेहनत रंग लाई।

(ग) दयालु आलोक ने गरीब को वस्त्र दिए।

(घ) पुत्र को देखकर पिता प्रसन्न हो गया।

(ङ) सब पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

8. (क) बातें (ख) बेटे

(ग) किताबें (घ) चीज़ें

(ङ) तितलियाँ।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) पुस्तकों में ज्ञान छिपा होता है। पुस्तकें पढ़कर व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करता है। प्रकृति का सौंदर्य व्यक्ति में सौंदर्य की प्रशंसा करने का भाव जाग्रत करता है। वह प्रकृति के महत्त्व को जानने लगता है।

(ख) नकल करके विद्यार्थी पास तो हो जाता है परंतु उसे ज्ञान नहीं मिलता। उसकी यह आदत उसमें अनेक अवगुण भर देती है। वह कामचोर हो जाता है, चोरी करना सीखता है। नकल करना स्वयं को धोखा देना होता है। इससे अच्छा फ़ेल हो जाना है।

पाठ 5. बिरसा मुंडा

- **पाठ उद्देश्य**–आज़ादी पाने के लिए अग्रेंज़ों के विरुद्ध बिरसा मुंडा द्वारा किए कार्यों से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–बिरसा मुंडा का जन्म उलीहातू गाँव में 15 नवंबर 1875 को हुआ था। उनके पिता सुगना मुंडा और माता कर्मी हाटू मुंडा थीं। आर्थिक तंगी के कारण उनके पिता ने ईसाई धर्म अपना लिया था। बिरसा मुंडा ने सनातन धर्म को मानने वाले आंनद पांडे के यहाँ काम किया और वे वैष्णव धर्म अनुयायी बन गए। वे गौ हत्या विरोधी थे, तुलसी पूजा करते थे, बाँसुरी बजाते थे। अंग्रेज़ों के अत्याचारों के विरुद्ध उन्होंने गुरिल्ला युद्ध छेड़ दिया। वे अंग्रेज़ों के लगान लगाने के विरुद्ध थे। उनके आक्रमणों ने अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया था। उनके कुछ साथी पकड़े गए। उनकी सूचना के कारण बिरसा मुंडा भी पकड़े गए। उन्हें बंदी बना लिया गया। आदिवासी उन्हें भगवान बिरसा और धरती बाबा कहते थे। हैज़ा हो जाने के कारण 9 जून 1900 को उनका देहांत हो गया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) बिरसा मुंडा का जन्म 15 नंवबर 1875 उलीहातू गाँव में हुआ था।

   (ख) उनकी माता का नाम कुर्मी हाटू मुंडा था।

   (ग) निर्धनता के कारण वे उच्च शिक्षा न पा सके।

   (घ) आनंद पांडे के यहाँ कार्य करते समय उनसे प्रभावित होकर वे वैष्णव हो गए।

   (ङ) बिरसा मुंडा झूठ बोलने, चोरी करने और शराब पीने को पाप समझते थे।

(च) अंग्रेज़ी सरकार के विरुद्ध आंदोलन करने के कारण उन्हें गिरफ़्तार किया गया।

(छ) बिरसा मुंडा को धरती बाबा और भगवान बिरसा के नामों से जाना जाता है।

2. (क) गरीब बालक आगे न पढ़ सका।

(ख) बिरसा की शिक्षा अधूरी रह गई।

(ग) बिरसा ने वैष्णव धर्म अपना लिया।

(घ) बिरसा आज़ादी के लिए संघर्षरत रहे।

(ङ) बिरसा ने अंग्रेज़ों के आगे समर्पण नहीं किया।

3. (क) अव्यावहारिक (ख) अंतिम

(ग) अज्ञानी (घ) पुण्य

(ङ) देशद्रोही

4. (क) निर्धन, दरिद्र, धनहीन

(ख) स्वामी, भगवान, ईश्वर

(ग) वंदना, आराधना, अर्चना

(घ) मद्य, मदिरा, सुरा

(ङ) ईश्वर, प्रभु, परमात्मा

(च) भूमि, पृथ्वी, धरा।

5. प्रत्येक, प्रतिपल, प्रतिक्षण, प्रतिकूल, प्रतिपक्ष, प्रतिदिन।

6. (क) बाँसुरियाँ (ख) वे

(ग) कलाएँ (घ) बातें।

7. संधि किए वर्णों को अलग-अलग करना संधि-विच्छेद कहलाता है; जैसे–हिमालय–हिम + आलय, सूर्योदय–सूर्य + उदय।

8. (क) आलोक (ख) अंग्रेज़

(ग) शिक्षक (घ) मेरी माँ।

प्रश्न संख्या 9 से 12 विद्यार्थी स्वंय करेंगे।

पाठ 6. चेतक की वीराता

- **पाठ उद्देश्य**–महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक की वीरता से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–युद्ध में दौड़ते हुए चेतक सबसे निराला था। ऐसा लगता था महाराणा प्रताप के घोड़े के साथ हवा का मुकाबला हो गया था। हवा के कारण लगाम के ज़रा-सा हिलने पर वह सवार को लेकर उड़ जाता था। राणा की आँख का संकेत पाते ही वह उधर मुड़ जाता था। चेतक के शरीर पर कभी भी राणा का कोड़ा नहीं पड़ा था। वह शत्रुओं के माथों पर दौड़ता था, वह आसमान को छूने वाला घोड़ा था। वह अभी-अभी यहाँ था और अभी-अभी कहीं ओर था। ऐसा कोई स्थान नहीं था। जहाँ वह शत्रुओं के सिर पर नहीं था। उसने भालों के मध्य से निकलकर अपना कौशल दिखाया। वह ढालों के बीच से निडर होकर निकल गया। वह तलवारों के बीच से तेज़ी से दौड़ गया। वह पानी के बढ़े नाले सा लहराता बढ़ गया। वह चलता गया और फिर रुक गया। वह बादल की ओर गर्जना के समान विकराल था। वह शत्रु-सेना पर ब्रज के समान टूट पड़ा। भाले गिर गए, तरकश खाली हो गए, घोड़े की टापों से शत्रुओं के अंग-अंग छलनी हो गए। उसका रूप देखकर शत्रु पक्ष दंग रह गया।

पाठ मूल्याकंन उत्तर

1. (क) चेतक महाराणा प्रताप का घोड़ा था।

(ख) चेतक अपनी चाल के कारण अन्य घोड़ों से अलग था, इसलिए उसे निराला कहा गया है।

(ग) 'था यहीं रहा अब यहाँ नहीं, वह वहीं रहा था वहाँ नहीं, थी जगह न कोई जहाँ नहीं।'

(घ) श्याम नारायण पांडेय।

2. चेतक बन गया निराला था, पड़ गया हवा का पाला था, से बाग हिली, लेकर सवार, फिरी नहीं, तब तक चेतक।

3. (क) राणा प्रताप के घोड़े से हवा का सामना हो गया था।

(ख) भयंकर वज्र के समान बादल-सा वह शत्रुओं पर बरस पड़ा।

4. वहाँ नहीं, कर बालों में, ठहर गया, अंग।

5. (क) हाँ (ख) हाँ

(ग) हाँ (घ) ना

(ङ) हाँ

6. (क) चेतक ने अपनी टापों से शत्रुओं के अंग-अंग छलनी कर दिए, यह देखकर शत्रु सेना चकित रह गई।

(ख) चेतक हवा से तेज़ दौड़ता था। वह महाराणा के संकेत पर चलता था। वह शत्रुओं पर टूट पड़ता था।

(ग) चेतक महाराणा का संकेत पाते ही उसी ओर मुड़ जाता था। इसलिए उसे कोड़ा मारने की ज़रूरत नहीं पड़ी।

7. (ख) घोड़ा सरपट दौड़ता था।

(ग) चेतक से हवा का पाला पड़ गया था।

(घ) चेतक महाराणा प्रताप को लेकर उड़ जाता था।

(ङ) प्रश्न अस्पष्ट है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मेरा घोड़ा शक्तिशाली है। वह मेरा इशारा समझ जाता है। वह मुझे अस्तबल में आता देखकर हिनहिनाने लगता है। वह मेरे हाथों के स्पर्श को पहचान जाता है।

(ख) चेतक युद्ध कौशल से परिचित था। उसकी चाल अद्भुत थी। वह संकेत समझने में पारंगत था। वह हवा में उछलकर आक्रमण कर देता था।

पाठ 7. जगदीश चंद्र बोस

- **पाठ उद्देश्य**–जगदीश चंद्र बोस के जीवन और कार्यों से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–जगदीश चंद्र बोस वैज्ञानिक थे। उनका जन्म 30 नवंबर 1858 को बंगाल के मुंशीगंज ज़िले में हुआ था। उनके पिता भगवान चंद्र बोस और माता बामा सुंदरी बोस थी। उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से भौतिक शास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वे प्रेसीडेंसी कॉलेज कोलकता में भौतिक शास्त्र के प्रोफ़ेसर नियुक्त हुए। उन्होंने पहली बार सिद्ध किया कि वृक्ष मनुष्यों के समान महसूस करते हैं, उनमें भावनाएँ होती हैं। उन्होंने वृक्षों के विकास को मापने के यंत्र केस्कोग्रोफ़ का अविष्कार किया। उन्होंने बिना तार सिग्नल भेजने की खोज की। उन्हें सन् 1917 में बिट्रिश सरकार ने नाइट की उपाधि दी। उनका देहांत 23 नवंबर 1937 को हुआ।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) जगदीश चंद्र बोस का जन्म 30 नंवबर 1858 को बंगाल के मुंशीगंज जिले में हुआ।

(ख) उनके पिता भगवान चंद्र बोस डिप्टी मज़िस्ट्रेट थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा बंगाली माध्यम स्कूल में और उच्च शिक्षा कोलकता विश्वविद्यालय और कैंब्रिज विश्वविद्यालय लंदन में हुई।

(घ) जगदीश चंद्र बोस ने सिद्ध किया कि वृक्ष मनुष्यों के समान महसूस करते हैं।

2. (क) बामा सुदंरी बोस (ख) मुंशीगंज
   (ग) बंगाली माध्यम स्कूल (घ) भौतिक शास्त्र
   (ङ) केस्कोग्राफ़ (च) रेडियो विज्ञान।
3. (क) होमी जहाँगीर भामा महान वैज्ञानिक थे।
   (ख) भारत समृद्ध देश है।
   (ग) हमने कृषि उपकरण खरीदे।
   (घ) मैंने नया मोबाइल खरीदा।
   (ङ) ध्रुव का कॉलेज में दाखिला हो गया।
4. (क) सन् 1875 (ख) कैंब्रिज यूनिवर्सिटी
   (ग) प्रतिक्रिया (घ) बोस इंस्टीट्यूट
   (ङ) नाइट।
5. (क) ✗ (ख) ✓
   (ग) ✗ (घ) ✗
   (ङ) ✓
6. (क) बिट्रिश सरकार ने सन् 1917 में उन्हें नाइट की उपाधि दी।
   (ख) बोस इंस्टीट्यूट (ग) 23 नवंबर 1937
7. इक, इत, इत, ईय, ता, इक।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मेरी विज्ञान में रुचि है। मैं अंतरिक्ष-वैज्ञानिक बनना चाहती हूँ।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 8. बाबा जी का भोग

- **पाठ उद्देश्य**–निर्धनता का चित्रण कराकर यथार्थ में जीने के विषय में समझाना।
- **पाठ सार**–रामधन अहीर के घर में अनाज का दाना तक नहीं था। सारी फसल महाजन, ज़मींदार के प्यादों ने ले ली। तभी उसके घर साधु आ गया। उसने पत्नी से कहा कि देखो कहीं कुछ पड़ा होगा। एक हाँडी में आधा सेर आटा मिला। रामधन ने साधु को आटा दिया। साधु ने उनके घर रहने को निर्णय किया। साधु ने झोले से निकालकर खाना बनाया। उसने दाल में डालने के लिए घी माँगा। घर में घी नहीं था। रामधन ने बनिए से लाकर घी साधु को दिया। साधु ने जी भरकर भोजन किया। उस रात रामधन के घर चूल्हा नहीं जला। केवल दाल पकाकर पी ली गई। रामधन लेटे-लेटे सोच रहा था उससे अच्छा तो साधु ही है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) चैत्र के महीने।

(ख) उसकी सारी उपज महाजन और ज़मीदार के प्यादे ले गए थे।

(ग) भूसा बेचकर बैल के व्यापारी से पीछा छूटा था।

(घ) हाँडी में आधा सेर के लगभग आटा था, वही दान में दिया था।

(ङ) घी बनिए के घर से लाया गया।

(च) साधु ने बाटियाँ बनाईं, दाल बनाई और आलू का भुरता बनाया।

2. (क) रामधन श्रद्घा के कारण भूखा रहा।

(ख) बाबा ने छककर भोजन किया।

(ग) भगवान को पवित्र भोग लगाया गया।

(घ) बाबा ने पानी माँगा।

(ङ) भगवान की पूजा की गई।

3. (क) अपवित्र (ख) शैतान

(ग) दानव (घ) आशावान

(ङ) वियोग।

4. (क) गृह, आवास, निकेतन (ख) संत, योगी, महात्मा

(ग) परमात्मा, प्रभु, भगवान (घ) जल, वारि, नीर।

5. स्वरूप, स्वराज, स्वाभिमान, स्वजन, स्वकाया, स्वधन।

6. (क) देवी (ख) पुरुष

(ग) मालकिन (घ) ठकुराइन

(ङ) बच्ची।

7. (क) ज़मीदारों (ख) महीने

(ग) गायों (घ) थालियाँ

(ङ) घंटियाँ।

8. (क) रोटी–शोटी, चाय–वाय,

पानी–वानी, छोटा–मोटा,

पैसे–वैसे, लड़के–वड़के।

9. (क) गलत (ख) सही

(ग) गलत (घ) सही।

10. इस कहानी से सीख मिलती है कि अपनी सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना चाहिए। अन्यथा रामधन जैसी स्थिति हो जाएगी।

11. मैं साधु को कुछ नहीं देता।

12. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 9. वीर अभिमन्यु

◆ **पाठ उद्देश्य**–महाभारत के युद्ध में अभिमन्यु की भूमिका से अवगत कराना।

◆ **पाठ सार**–महाभारत-युद्ध में एक दिन अर्जुन को मुख्य युद्ध-भूमि से दूर जाना पड़ा। तब कौरवों ने चक्रव्यूह की रचना करके पांडवों को चुनौती दी। यदि पांडव चक्रव्यूह न भेद पाते तो हार जाते। चक्रव्यूह भेदने का ज्ञान केवल अर्जुन को था। पांडव चिंतित हो गए। अभिमन्यु ने कहा कि वह गर्भ में था तो अर्जुन उसकी माता को चक्रव्यूह भेदने का भेद बता रहे थे। उसने चक्रव्यूह में प्रवेश तक की बातें सुन ली थीं परंतु माता के सो जाने के कारण वह चक्रव्यूह से बाहर आने के विषय में सुन न सका। अभिमन्यु ने युद्ध के लिए प्रस्थान किया। उसके साथ धृष्टद्युम्न और सात्यकि थे जिन्हें कौरवों ने चक्रव्यूह में प्रवेश ही नहीं करने दिया।

अकेला अभिमन्यु एक-एक द्वार को पार करता चला गया। उसने भीषण युद्ध किया। उसने दुर्योधन के पुत्र लक्ष्मण को मार दिया था। उसने कर्ण, दु:शासन और अलंबूश को पराजित कर दिया था। वह चक्रव्यूह के सातवें अंतिम द्वार तक पहुँच गया। तब कौरवों ने मिलकर उस पर आक्रमण कर दिया। उसके अस्त्र-शस्त्र टूट

गए तो वह रथ के टूटे पहिए से आक्रमण करने लगा। दुःशासन ने पीछे से उसके सिर पर गदा मारा। अभिमन्यु वीरगति को प्राप्त हो गया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) अभिमन्यु
   (ख) पांडवों और कौरवों के बीच
   (ग) अर्जुन के मुख्य युद्ध भूमि से दूर जाने के पश्चात् कौरवों ने चक्रव्यूह की रचना कर दी।
   (घ) गुरु द्रोणाचार्य सेनापति बने।
2. कर्ण और दुर्योधन ने द्रोणाचार्य से कहा।
3. (क) भीष्म (ख) अर्जुन को
   (ग) अभिमन्यु (घ) सातवें
4. (क) अभिमन्यु रणभूमि में पहुँचा।
   (ख) अभिमन्यु को सहमति मिल गई।
   (ग) अभिमन्यु के मारे जाने की खबर फैल गई।
   (घ) अभिमन्यु का धनुष टूट गया।
   (ङ) अभिमन्यु ने डटकर मुकाबला किया।
5. (क) हरा देना, डटकर मुकाबला करना। अभिमन्यु ने कौरवों के छक्के छुड़ा दिए।
   (ख) मारा जाना। अभिमन्यु वीरगति को प्राप्त हुआ।
6. (क) अर्जुन के न रहने पर पांडव चक्रव्यूह भेदने को लेकर चिंतित थे।
   (ख) अभिमन्यु ने माता के गर्भ में रहते समय चक्रव्यूह भेदना सीखा था।
   (ग) सात्यकि और धृष्टद्युम्न।

7. (क) कर रहा था (ख) चाल चली

(ग) समझाने की कोशिश की।

(घ) तोड़ दिया (ङ) छुड़ा दिए।

9. (क) महाभारत (ख) भीष्म पितामह

(ग) युधिष्ठर (घ) अभिमन्यु

(ङ) कर्ण, दुर्योधन।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) अभिमन्यु का निर्णय उचित था। यदि अभिमन्यु युद्ध न करता तो पांडवों की हार हो जाती।

(ख) अभिमन्यु ने अपने कर्तव्य को समझकर युद्ध किया। उसने अंतिम साँस तक शत्रुओं का साहसपूर्वक सामना किया। हमें भी अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। संकटों का सामना करना चाहिए, संकटों से घबराना नहीं चाहिए।

पाठ 10. ओणम

◆ **पाठ उद्देश्य**–केरल के प्रसिद्ध त्योहार ओणम से परिचित कराना।

◆ **पाठ सार**–ओणम केरलवासियों का प्रमुख त्योहार है। सन् 1961 को इसे राजकीय त्योहार घोषित किया गया। भारत सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इसे बढ़ावा दे रही है। यह अगस्त या सितंबर में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन राजा महाबली पाताल लोक से धरती पर आते हैं। उनके स्वागत में लोग घरों की सफ़ाई करते हैं, घरों में फूलों से रंगोली बनाते हैं। आठ दिन तक सजावट की जाती है, नौवें दिन इसे मनाया जाता है। रात को

गणेश और श्रावण देवता की मूर्ति बनाई जाती है। इस अवसर पर स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जाते हैं। इस अवसर पर खेलों और नृत्यों का आयोजन किया जाता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) भारत में वर्ष भर भाँति-भाँति के त्योहार मनाए जाते हैं इसलिए भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है।
   (ख) ओणम का त्योहार केरल में मनाया जाता है।
   (ग) इसे सन् 1961 में राजकीय त्योहार घोषित किया गया।
   (घ) इसे अगस्त या सितंबर में मनाया जाता है।
2. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✗ (ङ) ✓
3. (क) मलयाली (ख) पर्यटकों
   (ग) खुशियाँ (घ) खेलों
   (ङ) सार्वजनिक
4. अविअल, थोरान, परिअप्पु करी, केले के चिप्स, इंजीपुल्ली आदि।
5. पुलीकली, कुम्मत्ती कली।
6. (क) राजा महाबलि और विष्णु भगवान की कथा। भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि से तीन पग ज़मीन माँगी थी। उन्होंने तीन पगों में तीनों लोक नाप दिए थे।
   (ख) इस त्योहार का मुख्य आकर्षण नृत्य और खेलों के आयोजन होते हैं।
   (ग) यह त्योहार दस दिन पहले शुरू हो जाता है। नौवें दिन इसे पूरी मस्ती से मनाया जाता है।

7. (क) मूर्ति (ख) मस्ती
(ग) नृत्य (घ) महाबली
(ङ) व्यंजन (च) त्योहार

मूल्याधारित प्रश्न

(क) त्योहार आकर जीवन की एकरसता को मिटा देते हैं। इन्हें मनाने के लिए नया उत्साह और तैयारियाँ होती हैं। इनसे जीवन में ताज़गी आ जाती है।

(ख) फसलों के साथ जुड़े अन्य त्योहार हैं मकर संक्राति, लोहड़ी, पोंगल और भोगाली बिहू आदि।

11. वीरों को कैसा हो वसंत

◆ **पाठ उद्देश्य**–वीरों के लिए वसंत ऋतु कैसी हो? इस प्रश्न को कविता के संदर्भ में स्पष्ट कराना।

◆ **पाठ सार**–हिमालय पुकारकर, समुद्र बार–बार गरजकर, पूर्व-पश्चिम, धरती, आकाश, समस्त दिशाएँ पूछ रही हैं कि वीरों का वसंत कैसा हो? सरसों तैयार होकर रंग से भर गई, वसंत मस्ती लेकर आ गया है, दुल्हन रूपी धरती का अंग खुशियों से पुलकित हो गया है परंतु वीर वेश में पति है, तब वीरों का वसंत कैसा हो? इधर कोयल गा रही है, उधर युद्ध के बाजे पर गीत गाया जा रहा है, वसंत के रंग और रण का संग-संग हैं। आरंभ और अंत साथ-साथ आए हैं। वीरों का वसंत कैसा हो? प्रेमियों के गले में बाँहें हों या तलवारें हों, नज़रों का मिलना हो या धनुष बाण हो, रस और विलासिता हो या दलितों की रक्षा हो–अब यही गंभीर समस्या है। हे बीत चुके समय, अब मौन त्यागकर बताओ कि लंका तुममें आग क्यों लगी थी? हे कुरुक्षेत्र, तुम जागो और

अपने अंतहीन अनुभवों को बताओ। हल्दी घाटी की चट्टानों के टुकड़ों, सिंहगढ़ के विशाल दुर्ग महाराणा प्रताप और ताना जी पर गर्व करके आज पुरानी स्मृतियों को पुनः जीवित कर दो। आज कविवर भूषण और चंदबरदाई नहीं हैं, ऐसे गीत नहीं हैं, जो लोगों में जोश भर दें, आज कलम पर प्रतिबंध लगा हुआ है, वह स्वतंत्र नहीं है। हाय, फिर हमें कौन बताएगा कि वीरों का वसंत कैसा हो?

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वीरों के वसंत के बारे में बात की गई है।
   (ख) हिमालय, समुद्र, पूर्व-पश्चिम, धरती, आकाश और समस्त दिशाएँ पूछ रही हैं।
   (ग) अनंग सौंदर्य के देवता कामदेव हैं, वसंत को भी अनंग कहा जाता है। वसंत मस्ती भरा सौंदर्य लेकर आया है।
   (घ) कविता में हल्दीघाटी की चट्टानों और सिंह-गढ़ को स्मृतियाँ जगाने के लिए कहा गया है।
   (ख) दिया रंग, मधु लेकर, पुलकित अंग अंग, है वीर वेश में, कैसा हो वसंत? इधर तान, मारू बाजे, रण का विधान, मिलने को आए हैं, वीरों का।
3. हिमालय पुकारकर पूछ रहा है, समस्त दिशाएँ पूछ रही हैं कि वीरों का वसंत कैसा हो?
4. (क) भारत के उत्तर में हिमालय है।
   (ख) वसंत को ऋतुराज कहते हैं।
   (ग) कोकिला का मधुर स्वर गूँज उठा।
   (घ) भारत विशाल देश है।
   (ङ) धरती वसंत के रंग में रंग गई।

5. (क) पश्चिम (ख) पाताल

(ग) अंत (घ) समाधान

(ङ) वर्तमान।

6. (क) वीरों के लिए वसंत के रंगों का महत्व नहीं है। उनके लिए युद्ध में लड़ना ही महत्वपूर्ण होता है।

(ख) अतीत के अनुभव वर्तमान का मार्गदर्शन करते हैं इसलिए अतीत को खामोशी तोड़ने के लिए कहा गया है।

(ग) ये सब पुकार-पुकारकर कह रहे हैं कि यह समय वसंत की मदहोशी में डूबने का नहीं है अपितु रण में शत्रु को परास्त करने का है। उस समय देश पराधीन था। स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष अनिवार्य था।

7 (क) नगराज, पर्वतराज, हिमगिरी।

(ख) गगन, नभ, आसमान।

(ग) धरती, भू, भूमि।

(घ) अग्नि, अनल, पातक।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) वधु धरती को कहा गया है। वह प्रसन्न है क्योंकि उसे पराधीनता से मुक्त कराने के लिए युवाओं ने वीर वेश धारण कर लिया है।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 12. मिसाइल मैन

◆ **पाठ उद्देश्य**–डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जीवन और कार्यों से अवगत कराना।

◆ **पाठ सार**–डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वर के धनुषकोडी गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम जैनुल्लाब्दीन और माता का नाम आशियम्मा था। उनके पिता मछुआरों को नाव किराए पर देते थे। उनकी पढ़ाई गाँव में हुई। वे तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ़ कालेज में पढ़कर सन् 1950 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलाजी से स्नातक हुए। उन्होंने भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में कार्यरत रहे। इसके पश्चात् वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान में कार्य करने लगे। अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। वे 18 जुलाई 2002 को भारत के 11वें राष्ट्रपति बने। वे शाकाहारी थे। उनकी पुस्तक विंग्ज आफ़ फायर चर्चित रही। इंडिया–2020 पुस्तक में उन्होंने भारत को अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी होने का उल्लेख किया है। उन्हें भारत रत्न, पदम भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग, अहमदाबाद और इंदौर के विजिटिंग प्रोफेसर रहे। उनका निधन 27 जुलाई 2015 को हुआ।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेश्वर के धनुषकोडी में हुआ था।

   (ख) उनकी पारिवारिक स्थिति आर्थिक रूप से अच्छी नहीं थीं।

   (ग) उनकी प्राथमिक शिक्षा गाँव में हुई, उच्च शिक्षा सेंट जोसेफ़ कॉलेज तिरुचिरापल्ली और मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी से हुई।

   (घ) वे 18 जुलाई 2002 को भारत के राष्ट्पति बने।

2. (क) मिसाइल मैन (ख) जैनुल्लादीन
   (ग) प्राथमिक (घ) जनता का राष्ट्रपति

(ङ) शाकाहारी (च) अंतरिक्ष विज्ञान।

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗
   (घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) भारत रत्न (ख) पद्म भूषण
   (ग) पद्मविभूषण

6. (क) वे सरल स्वभाव के सादगी से रहने वाले व्यक्ति थे।
   (ख) वे जनता के मध्य जाने में संकोच नहीं करते थे।
   (ग) हमें अपने जीवन में श्रेष्ठ कार्य करने चाहिए और विनम्र रहना चाहिए।

7. (क) प्रबंधक (ख) प्रशंसा
   (ग) दाखिला (घ) सर्वोच्च
   (ड) नियुक्त।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मैं मन लगाकर पढूँगी। उच्च शिक्षा ग्रहण करूँगी। विज्ञान के क्षेत्र में नए प्रयोग करके डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जैसा बनूँगी।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 13. हार की जीत

- **पाठ उद्देश्य**–भलाई सदा जीतती है, इससे अवगत कराना।
- **पाठ सार**–बाबा भारती को अपने घोड़े सुल्तान से बहुत प्रेम था। वे उसकी देखभाल मन लगाकर करते थे। डाकू खड़ग सिंह घोड़े की प्रशंसा सुनकर उसे देखने आया। उसने घोड़े की चाल देखने का अनुरोध किया। घोड़े की चाल देखकर उस पर मुग्ध हो गया। उसने जाते समय बाबा भारती से कहा कि वे उनके पास घोड़े

को नहीं रहने देगा। बाबा भारती उस दिन से चिंतित रहने लगे। वे दिन-रात उसकी रक्षा करते रहते। बहुत दिन निकल गए। एक दिन बाबा भारती घोड़े पर जा रहे थे। उन्हें रास्ते में अपाहिज मिला। वह उन्हें रामावाला तक ले चलने का अनुरोध करने लगा। उसने बताया कि वह दुर्गादत्त वैदय का सौतेला भाई था। बाबा ने उसे घोड़े पर बिठा दिया और स्वयं लगाम पकड़कर चलने लगे। अचानक अपाहिज घोड़े को भगाकर ले गया। अपाहिज बना वह डाकू खड़ग सिंह था। स्तब्ध बाबा ने उसे रुकने के लिए कहा। खड़ग सिंह रुक गया तो बाबा भारती ने कहा कि यह घोड़ा अब तुम्हारा है पर यह घटना किसी को मत बताना क्योंकि लोगों को इसका पता चलेगा तो कोई दीन-दुखियों की सहायता नहीं करेगा। खडग सिंह हैरान रह गया। वह बाबा भारती की भावना से बहुत प्रभावित हुआ। उसे लगा बाबा मनुष्य नहीं देवता थे। एक रात खड़ग सिंह आया और सुल्तान को अस्तबल में बाँध दिया। सुबह बाबा उठे तो अस्तबल के पास से निकले। उनकी आहट पाकर घोड़ा हिनहिनाया। बाबा भारती दौड़कर भीतर गए और सुल्तान के गले लगकर रोने लगे। उनके मुख से निकला–अब कोई दीन-दुखियों से मुँह न मोड़ेगा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) घोड़े का नाम सुल्तान था। वह बहुत सुंदर था। उस क्षेत्र में उसके जैसा घोड़ा न था।
   (ख) खड़ग सिंह डाकू था।
   (ग) खड़ग सिंह ने अपाहिज का भेष बनाकर घोड़ा छीन लिया।
   (घ) बाबा भारती ने ऐसा इसलिए कहा ताकि यह जानकर भविष्य में कोई दीन-दुखियों की सहायता नहीं करेगा।
2. (क) बाबा भारती ने डाकू खड़ग सिंह से कहा।
   (ख) डाकू खड़ग सिंह ने बाबा से कहा।

(ग) डाकू खड़ग सिंह ने बाबा से कहा।

(घ) खड़ग सिंह ने बाबा से कहा।

3. (क) सुल्तान (ख) लट्टू

(ग) अभिलाषा (घ) नेकी

(ड) हिनहिनाया।

4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✗

(घ) ✗ (ङ) ✓

5. (क) घोड़ा बलवान था।

(ख) डाकू को घोड़ पसंद आया।

(ग) बाबा के विचार नेक थे।

(घ) बाबा कुटिया में रहते थे।

6. (क) खड़ग सिंह बाबा भारती के विचारों से प्रभावित हो गया। बाबा भारती ने उसे इस घटना के विषय में किसी को न बताने के लिए कहा था। इसलिए वह सुल्तान को वापिस बाँध गया।

(ख) डाकू खड़ग सिंह हार गया और बाबा भारती जीत गए।

(ग) डाकू खड़ग सिंह का हृदय परिवर्तन हो गया।

7. (क) कहो इधर कैसे आ गए?

(ख) इस साधु को ऐसी चीजों से क्या लाभ?

(ग) बाबा जी, इसकी चाल न देखी तो क्या देखा?

(घ) कहो, तुम्हें क्या कष्ट है?

मूल्याधारित प्रश्न

(क) बाबा भारती ने मुझे बहुत प्रभावित किया। वे भगवान के भक्त तो थे ही परंतु सच्चे इन्सान भी थे। उन्होंने अपाहिज की सहायता की। डाकू खडग सिंह से कहा कि वह अपने छल करने के विषय में किसी को न बताए। बाबा भारती सचमुच महान थे।

(ख) बाबा भारती भगवान भक्त थे, पशु प्रेमी थे और दूसरों की सहायता करते थे। डाकू खड़ग सिंह में भी मानवीयता थी। छल-कपट से घोड़ा लेकर भी वह उसे लौटा गया। उसके भीतर की मानवता ने उसे बदल दिया। सुल्तान बहुत सुंदर और आकर्षक घोड़ा था।

पाठ 14. तीन ठगों की कहानी

- **पाठ उद्देश्य**–जीवन में सदा सतर्क रहना चाहिए अन्यथा हानि होने की संभावना होती है, इससे अवगत कराना।
- **पाठ सार**–शंभूदयाल नामक ब्राह्मण को दक्षिणा में बछिया मिली। वह उसे लेकर अपने गाँव लौट रहा था। तीन ठगों ने उससे बछिया लेने की योजना बनाई। तीनों अलग-अलग स्थानों पर खड़े हो गए। ब्राह्मण जिसके पास से गुजरता वह ठग यही कहता कि कुत्ते को उठाकर क्यों ले जा रहे हो? तीनों ठगों के ऐसा कहने पर ब्राह्मण ने सोचा वह बछिया नहीं कुत्ता है। उसने बछिया को छोड़ दिया। ठग बछिया ले गए।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) शंभूदयाल

   (ख) यजमानों के घर पूजा-पाठ कराकर

   (ग) ठग मिला

(घ) तीनों ठगों ने ब्राह्मण से यही कहा कि वह कुत्ता उठाकर ले जा रहा था। एक-एक कर तीन ठगों ने ऐसा कहकर ब्राह्मण की बछिया हथिया ली।

2. (क) पहले ठग ने ब्राह्मण से कहा।

(ख) ब्राह्मण ने पहले ठग से कहा

(ग) दूसरे ठग ने ब्राह्मण से कहा।

(घ) ब्राह्मण ने दूसरे ठग से कहा।

3. (क) बछिया (ख) तीन ठगों

(ग) गुस्सा (घ) प्रायश्चित

(ड) उधेड़बुन।

4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓

(घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) ब्राह्मण को दक्षिणा में बछिया मिली।

(ख) ठगों ने बछिया लेने की योजना बनाई।

(ग) ब्राह्मण को बछिया की ज़रूरत थी।

(घ) ठग मक्कार थे।

6. (क) वह पूजा-पाठ कराता था।

(ख) पहले ठग ने कहा कि वह कंधे पर कुत्ता ले जा रहा था।

(ग) ब्राह्मण ने कहा कि तुम मूर्ख हो। यह बछिया है।

7. अभिनंदन, अभिराम, अभिप्राय, अभिप्रेरणा, अभिलाषा, अभिमन्यु।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) उन ठगों को उन्हीं की तरह उचित उत्तर देता। उन्हें डाँटकर भगा देता।

(ख) पंडित जी के इस कार्य से उनके मूर्ख होने का पता चलता है। एक विद्वान ब्राह्मण ऐसा कैसे कर सकता है? वह ब्राह्मण बुद्धिमान नहीं था।

पाठ 15. गिरिधर की कुंडलियाँ

- **पाठ उद्देश्य**–गिरिधर की नीतिपरक कुंडलियों से शिक्षा लेने की प्रेरणा देना।
- **पाठ सार**–बिना विचार किए काम करने वाला पछताता है। उसका काम बिगड़ जाता है और संसार उसका मज़ाक उड़ाता है। उसके मन को चैन नहीं मिलता। उसे खाना-पीना, राग और रंग अच्छा नहीं लगता। बिना विचार करने पर दु:ख दूर नहीं होता और बिगड़े काम मन में खटकने लगते हैं।

  जो समय बीत गया है उसे भूलकर भविष्य के विषय में सोचना चाहिए। जो कार्य सहजता से हो जाता है उसमें मन लगाना चाहिए। इससे कार्य हो जाते हैं। बुरे लोग हँसी भी नहीं उड़ाते। मन में दु:ख भी नहीं रहता। मन को समझाना चाहिए कि जो बीत गया सो बीत गया।

  भविष्य के विषय में सोचना चाहिए। यदि नाव में पानी बढ़ जाता है तो उसे दोनों हाथों से निकालते रहना चाहिए। इसी प्रकार यदि धन बढ़ जाता है तो दान करना चाहिए। इसी में समझदारी है। भगवान राम का स्मरण करना चाहिए। दूसरों की भलाई के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर देना चाहिए। यही बड़ों की शिक्षा है। अच्छे कार्य करके अपना सम्मान बनाए रखना चाहिए।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) उसे बाद में पछताना पड़ता है।
   (ख) जो बात समाप्त हो गई है, उसे भूल जाना चाहिए।
   (ग) नाव में बढ़े पानी को दोनों हाथों से बाहर गिरा देना चाहिए।
   (घ) बड़ों का कहना है कि अच्छे कार्य करके अपना सम्मान बनाए रखना चाहिए।
2. आगे की सुधि लेइ, जो बनि आवै सहज, बात जो बनि आवै, दुर्जन हँसे न कोय।
3. समझदार लोगों का यही काम है कि वे राम का स्मरण करें। दूसरों के कार्य पूरे करने के लिए अपना सिर तक आगे कर देना चाहिए अर्थात् सर्वस्व अर्पित कर देना चाहिए।
4. (क) घर में धन बढ़े तो दान करें।
   (ख) काम बिगड़ने पर दु:ख होता है।
   (ग) नाव के अंदर पानी को निकाल देना चाहिए।
   (घ) बीती बात को भूल जाओ।
5. (क) बिना सोचे काम करने वालों की हँसी उड़ाई जाती है।
   (ख) नाव में पानी बढ़ जाने पर उसे निकाल देना और धन आ जाने पर दान देना यही अच्छे कार्य हैं।
   (ग) अपना सर्वस्व अर्पित कर देना चाहिए।
   (घ) जब व्यक्ति के काम खराब हो जाते हैं तो उसे सम्मान, खान-पीन, राग-रंग अच्छे नहीं लगते।
6. (क) रोना (ख) पीछे (ग) सुख (घ) सज्जन (ङ) बुरा
7. (क) हँसाय (ख) चित देइ
   (ग) पावै-भावै (घ) आवै-पावै

(ङ) परनीती–बीती (च) दाम–काम

(छ) कीजै–दीजै (ज) बानी–पानी।

8. (क) कष्ट, पीड़ा, वेदना (ख) जल, नीर, वारि

(ग) संसार, दुनिया, विश्व (घ) कर, पाणि, हस्त

पाठ 16. रामेश्वरम् धाम

- **पाठ उद्देश्य**–तीर्थ स्थान रामेश्वरम् से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–तीर्थ स्थान रामेश्वरम् हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी के बीच स्थित तमिलनाडु के रामनाथपुरम में है। यहाँ रेल मार्ग से पहुँचा जाता है। यह शिल्पकला की दृष्टि से भव्य है। इसका प्रवेश द्वार 40 फ़ीट ऊँचा है, इसका गलियारा विश्व का सबसे लंबा गलियारा है। प्रति वर्ष शिव–पार्वती की शोभा–यात्रा सोने–चाँदी के रथ पर निकलती है। रावण वध के पश्चात् श्री राम ने ब्रहम–हत्या से मुक्त होने के लिए यहाँ शिवलिंग की स्थापना करके उसकी पूजा की। भगवान शिव ने प्रकट होकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) यह तमिलनाडु के रामनाथपुरम में है।

(ख) यह हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी से घिरा है।

(ग) यहाँ तक रेल मार्ग से जा सकते हैं।

2. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗

(घ) ✓

3. (क) तीर्थों (ख) हिंद महासागर

(ग) गलियारा (घ) शिवलिंग

(ङ) रामेश्वरम्

4. भक्ति, आशीर्वाद, पौराणिक, हनुमान, निर्माण, शिल्पकला।

5. (क) रामेश्वरम् (ख) शिल्पकला
   (ग) 40 फीट (घ) सैंकड़ों
   (ङ) सोने-चाँदी (च) रावण की।

6. (क) इसमें सोने-चाँदी के रथ पर शिव-पार्वती की शोभा-यात्रा निकलती है।
   (ख) भगवान शिव को प्रसन्न करने का समाधान बताया था।
   (ग) हनुमान शिवलिंग समय पर न ला सके तो श्री राम ने अपने हाथों से शिवलिंग बनाया।

7. ऐतिहासिक, दैनिक, नैतिक, प्रायोगिक, सांसारिक, आधिकारिक, पौराणिक।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) यह भव्य रूप में बना हुआ है। इसे द्रविड़ वास्तुकला के द्वारा बनाया गया है। यहाँ श्री राम ने शिवलिंग की स्थापना करके पूजा की थी। इसलिए इसका आध्यात्मिक महत्व है। इन कारणों से यह द्रविड़ वास्तुकला और आध्यात्मिक का संगम है।

(ख) विद्यार्थी स्वयं करेंगें।

पाठ 17. अकबर बीरबल

- **पाठ उद्देश्य**–बीरबल की चतुरता से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–अकबर के कुछ दरबारी बीरबल से ईर्ष्या करते थे। उन्होंने रेत और चीनी का मिश्रण अकबर के सामने रखा। उन्होंने कहा कि यदि बीरबल इसमें से रेत और चीनी को अलग कर देगा

तो वह उसे बुद्धिमान मान लेंगे। अकबर ने बीरबल को इसका समाधान करने के लिए कहा। बीरबल बोरा उठाकर दरबारियों सहित जंगल में गया। उसने मिश्रण ज़मीन पर गिरा दिया और दरबारियों को अगले दिन बुलाया। दरबारी और बीरबल अगले दिन पहुँचे। वहाँ मिश्रण में से चीनी गायब थी और रेत बची थी। बीरबल ने कहा कि उसने मिश्रण में से चीनी को रेत से अलग कर दिया है क्योंकि चीटियाँ सारी चीनी ले गई हैं। दरबारी भाग गए। अकबर खुश हो गया और बीरबल को उपहार दिए।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) नौ

   (ख) बीरबल अपनी बुद्धिमानी के कारण अकबर की आँख का तारा था।

   (ग) क्योंकि बीरबल प्रत्येक समस्या का समाधान कर देता था।

   (घ) दरबारियों ने अकबर के समक्ष रेत और चीनी का मिश्रण रखकर उसमें से दोनों को अलग करने के लिए कहा।

2. (क) बहुत प्रिय–राजवीर माँ की आँखों का तारा है।

   (ख) भाग जाना–सारे दरबारी नौ दो ग्यारह हो गए।

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗

   (घ) ✓ (ङ) ✓

4. (क) नक्षत्र, तारक, तारिका

   (ख) द्वेष, जलन, कुढ़न

   (ग) प्रशंसा, बड़ाई, बखान

   (घ) नेत्र, चक्षु, नयन

   (ङ) जल, नीर, वारि।

5. (क) बुद्धिमानी (ख) अभिवादन
   (ग) रेत (घ) चीटियों (ङ) दरबार।
6. (क) बीरबल ने दरबारियों से कहा।
   (ख) दरबारियों ने अकबर से कहा।
   (ग) अकबर ने बीरबल से कहा।
7. (क) प्रत्येक समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है। ऐसा बुद्धिमानी से ही किया जा सकता है। इसके लिए चिंतन और धैर्य की आवश्यकता होती है।
   (ख) विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 18. महात्मा की सीख

पाठ उद्देश्य–बुराइयों को क्रोध से नहीं प्रेम से दूर किया जा सकता हैं, इसे समझाना।

पाठ सार–गोसाईपुर गाँव के लोग शरारती गप्पू से परेशान थे। वे लोगों को गालियों देता था। उस पर माता-पिता के समझाने और मारने का असर नहीं होता था। एक बार एक महात्मा गाँव में आए। वे पेड़ के नीचे ध्यान लगाए बैठे थे। गप्पू उन्हें गालियों देकर भाग गया। महात्मा जी ने कुछ नहीं कहा। वह लौटा और गालियाँ देता रहा। महात्मा जी शांत बैठे रहे। वहाँ गाँव के लोग भी आ गए। उन्होंने महात्मा जी से कहा कि गप्पू आपको गालियाँ दे रहा है। आप उसे कुछ नहीं कह रहे। महात्मा जी ने कहा कि मैंने गालियाँ ली ही नहीं। वे तो गप्पू के पास ही रहीं। वह गालियाँ देकर अपना मुँह अपवित्र कर रहा है। गप्पू हैरान रह गया। वह जिन्हें गलियाँ देता था। वे उसे मारने आते थे। महात्मा जी तो शांत बैठे थे। उसे अपनी भूल का पता चल गया। महात्मा जी के चरणों में गिरकर उसने क्षमा माँगी।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वह उद्दंड और हठी था।

   (ख) गाँव में महात्मा जी आए थे।

   (ग) गप्पू ने महात्मा जी को अपशब्द कह कर उनका अपमान किया।

   (घ) महात्मा जी शांत बैठे रहे।

2. (क) 3 (ख) 1

   (ग) 4 (घ) 2

   (ड) 5

3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗

   (घ) ✗ (ङ) ✓

4. (क) बेटा, आत्मज (ख) बेटी, आत्मजा

   (ग) मित्र, यार (घ) जलज, नीरज

   (ड) देव, वसु।

5. (क) गप्पू को, अपने कार्य पर पश्चाताप हुआ। उसने महात्मा जी से क्षमा माँगी।

   (ख) उसने उन्हें अपशब्द कहे थे।

   (ग) किसी को अपशब्द नहीं कहने चाहिए।

6. (क) गप्पू (ख) सिद्ध महात्मा

   (ख) आगमन (ग) महात्मा, गालियों

   (घ) आश्चर्य।

7. बैलगाड़ी, रेलगाड़ी, कारखाना, पानी, पंतगबाज़ी।

पाठ 19. रहीम के दोहे

- **पाठ उद्देश्य**–रहीम के दोहों की शिक्षाओं से प्रेरित कराना।
- **पाठ सार**–सब दु:ख में भगवान का स्मरण करते हैं, सुख में कोई स्मरण नहीं करता। यदि सुख में स्मरण करें तो दु:ख आएगा ही नहीं। रहीम कहते हैं कि अपना सम्मान बनाए रखना चाहिए। सम्मान के बिना कुछ भी नहीं है। रहीम ने पानी शब्द को मोती के लिए चमक, मनुष्य के लिए सम्मान और चूने के लिए पानी के रूप में प्रयोग किया है।

  वृक्ष अपने फल नहीं खाते, सरोवर अपना जल नहीं पीते। रहीम कहते हैं कि सज्जन व्यक्ति दूसरों की भलाई के लिए धन संग्रह करते हैं।

  जो व्यक्ति किसी से धन माँगने जाता है, वह मृतक के समान है उससे पहले मर जाते हैं जिनके मुख से नहीं निकलता है।

  एक बार संबध बिगड़ जाने पर लाख प्रयास करने पर भी वे पुन: नहीं जुड़ते। फटे दूध से मक्खन नहीं निकलता, वैसे ही बिगड़ी बात नहीं बनती।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) सुख के समय ईश्वर का स्मरण करने से दु:ख नहीं आते।
   (ख) तीसरे दोहे में।
   (ग) सज्जन लोग दूसरों की भलाई के लिए धन संग्रह करते हैं।
   (घ) जो लोग माँगने वाले की सहायता नहीं करते, वे मृतक समान हैं।
2. बिन पानी सब सून, पानी गए न उबरै मोती, सरवर पियहि न पान, कहि रहीम पर काज हित।

3. वे लोग मृत्कों के समान हैं जो किसी से माँगते हैं। उससे पहले वे मर जाते हैं जिनके मुख से नहीं निकलता है। दु:ख में सब ईश्वर को स्मरण करते हैं। सुख में कोई नहीं करता।

   यदि सुख में स्मरण करें तो दु:ख नहीं आते।

4. (क) वृक्ष अपने फल नहीं खाते।

   (ख) सचित के बाल उड़ गए।

   (ग) उपकारी नर सम्मान पाते हैं।

   (घ) सुख में ईश्वर का स्मरण करें।

   (ङ) फटे दूध से मक्खन नहीं निकलता।

5. (क) फट गए दूध के उदाहरण द्वारा।

   (ख) रहिमन पानी राखिए दोहे में।

   (ग) रहीम ने शिक्षा दी है कि मनुष्य को अपना सम्मान बनाए रखना चाहिए।

6. (क) दु:ख (ख) नारी

   (ग) बाद (घ) बाहर, बेघर।

7. (क) नीर, जल, वारि (ख) कष्ट, वेदना, पीड़ा

   (ग) तरु, पेड़, दरख्त (घ) सरिता, तरंगिनी।

8. (क) पानी बिना जीवन व्यर्थ (ख) उपरोक्त सभी

   (ग) चूना (घ) श्लेष

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मोती को महत्व उसकी चमक से होता है, मनुष्य के लिए सम्मान महत्वपूर्ण होता है, बिना पानी के चूना बेकार है। पानी का प्रयोग चमक, सम्मान और पानी के रूप में हुआ है।

(ख) बिगड़ी बात बने नहीं, लाख करै किन कोय, रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, पानी गए न उबरै, मोती मानुष चून।

पाठ 20. सर्वांगासन

- **पाठ उद्देश्य**–सर्वांगासन की उपयोगिता बताना।
- **पाठ सार**–सर्व, अंग, आसन शब्दों से बने सर्वांगासन का अर्थ है–शरीर के सभी अंगों की योग मुद्रा। इसे करने से पहले शवासन करते हैं। इसके पश्चात् इसे करते है। इससे बालों का झड़ना कम हो जाता है। इससे स्नायुतंत्र मज़बूत होता है जिससे सर्दी, जुकाम, खाँसी, सिरदर्द का खतरा कम हो जाता है। इससे पाचन तंत्र ठीक रहता है, शरीर लचीला रहता है, रीढ़ की हड्डी मज़बूत होती है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

(क) इसे करने से शरीर लचीला रहता है, बाल कम झड़ते हैं, रीढ़ की हड्डी मज़बूत होती है।

(ख) सर्वांगासन पाचन तंत्र को मज़बूत करता है।

(ग) सबसे पहले शवासन करते हैं।

(घ) सर्वांगासान तीस सेकंड से दो मिनट तक करते हैं।

(ड) सर्वांगासन सर्व, अंग और आसन शब्दों से मिलकर बना है।

(घ) आसन का अर्थ है योगमुद्रा।